[Page 1]

BA (III)
Paper-IV, Social Psychology

प्रश्न:
रूढ़ियुक्तियों का अर्थ एवं व्याख्या (Meaning and explanation of Stereotypes)

रूढ़ियुक्तियों का प्रथम 1922 में वाल्टर लिपमैन ने प्रयोग किया था। यह एक त्रुटिपूर्ण वर्गीकरण करने वाली धारणा है जिसके साथ व्यक्तियों की अन्य समूहों के बारे में कोई प्रबल संवेगात्मक भावना जुड़ी रहती है इसके सामान्यीकरण (Generalization) का गुण पाया जाता है।

यह एक मिथ्या प्रत्यय है जिसके घटनाओं का अस्वाभाविक वर्गीकरण प्रस्तुत किया जाता है इसके साथ स्वीकृति या अस्वीकृति जुड़ी होती है इसकी उत्पत्ति में बाहरी परिस्थितियाँ कार्य नहीं करती है इसकी व्याख्या निम्न प्रकार से किया जा सकता है

(1) यह एक मिथ्या प्रत्यय है
(2) यह किसी घटनाओं का अस्वाभाविक वर्गीकरण प्रस्तुत करता है
(3) इसमें स्वीकृति या अस्वीकृति जुड़ी होती है
(4) बाहरी परिस्थितियाँ रूढ़ियुक्ति की उत्पत्ति में कार्य नहीं करता है

अपेक्षाकृत स्थिर (Relatively Stable) होता है। रूढ़ियुक्ति का सांस्कृतिक स्वरूप ऐसा है कि एक बार निर्माण हो जाने पर उसका परिवर्तन संभव नहीं है। परिवर्तन उसका परिवर्तन करने में आवश्यक प्रतिरोध लोग के स्थिति में का सामना करना पड़ता है।

सकारात्मक या नकारात्मक (Either positive or negative) – रूढ़ियुक्ति या तो सकारात्मक हो सकती है या नकारात्मक। सकारात्मक रूढ़ियुक्ति में समूह के व्यक्तियों के सकारात्मक विशेषताएँ बताती है और नकारात्मक रूढ़ियुक्ति नकारात्मक विशेषताएँ बताती है।

अतिरंजित सामान्यीकरण (Exaggerated generalization) – रूढ़ियुक्ति समूह के कुछ ही लोगों के वास्तविक अनुभव पर आधारित होने पर भी उस समूह के सभी लोगों पर लागू होता है।

Kumar Ratn
Assistant Professor
Dept. of Psy.
Maharaja College, Ara